ज़ायद बहो न० 4

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर, शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत् और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R.N. 161
अस्थाम्प डुल्पा मुल्य 5 किताबत चार आवद 5 शब्द 688 है।	R.F. 50.00 C.F. 3.00 Total: 53.00

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

Government Judicial Paper

जुज़ 1

... धर्मा सकना ... उमर 80 साल वल्द जी ऊराह वल्द ... हमरां परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला ... हिमाचल प्रदेश का है जो के मुज़हर ज़ईफ़ व ... ज़ है और कुछ अर्सा से मामूली बिमार ... हता चला आता है इस लिये हर हाल में ... खिदमत व परवरिश का मोहताज है. मुज़हर ... न लच्छूराम, छोटाराम व 6 दुख़्तरान मु० दयावती, मु० सरस्वती, मु० स्पदरी, मु० द्रोपती, मु० प्रेमी ... सुहाग मौजूद हैं जब के मुज़हर की अव्वल ... द्रोपती अव्वल दुख़्तर मु० दयावती पैदा होने के बाद ही फ़ौत हो चुकी हुई है. मुज़हर जुमला ... खुद की शादीयां कर चुका है दुख़्तरान मज़कूरीयान ... न को के मुज़हर बवक्त करने शादीयां मालूल ... चुका है. खुश असलूबी से अपने अपने ... में आबाद हैं मु० सुहाग ज़ौजा मुज़हर भी ... ग़ार हो अकसर बिमार भी होती रहती चली ... गरान की खिदमत व परवरिश की मोहताज हो ... मुज़हर व

... नामा जुज़ 2

... ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में लच्छूराम, छोटाराम ... मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व मु० सुहाग ... या की देख भाल व खिदमत व परवरिश करते ... मुआलजा करवाते चले आते हैं, मुज़हर व ... ज़ौजा मुज़हर खिदमात लच्छूराम व छोटाराम ... न से बहुत खुश है मुज़हर व मु० सुहाग ज़ौजा ... को आयन्दा भी पिसरान मज़कूरान खुद से ऐसी ... दमात करते रहने की तवक्का है हयात चन्द ... का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है ... राम, छोटाराम मज़कूरान को कुछ सिल्ला ... त खुद व ज़ौजा मज़कूरीया खुद दे, मु० सुहाग ... या भी यही चाहती है, मुज़हर कुछ जायदाद ... पैदा करदा खुद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला वाक्या ... ड़ी ब्राहमणां परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का मालक व काबज़ है सो मुज़हर अब जायदाद मज़कूरा खुद लच्छूराम व छोटाराम

Vo. 791535 1989

(नकल)

Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा जुज 1

मनके तिरखू उमर 80 साल वल्द जीऊराम वल्द धर्मो सकना लिंयूगड़ी ब्राहमणां परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का हूँ जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लागर शख़्स है और कुछ अर्से से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 2 पिसरान लच्छूराम, छोटाराम व 6 दुख़्तरान मु० दयावती, मु० हरदेई, मु० सरस्वती, मु० सुन्दरी, मु० द्रोपती, मु० प्रेमी व ज़ौजा मु० सुहारु मौजूद हैं जब के मुज़हर की अव्वल ज़ौजा मु० द्रोपती अव्वल दुख़्तर मु० दयावती पैदा होने के कुछ अर्सा बाद ही फ़ौत हो चुकी हुई है, मुज़हर जुमला बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है दुख़्तरान मज़कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक़्त करने शादीयां माकूल दहेज दे चुका है, खुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं मु० सुहारु ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर हो अक्सर बिमार भी होती रहती चली आने से दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है, मुज़हर व

वसीयत नामा जुज 2

मु० सुहारु ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में लच्छूराम, छोटाराम पिसरान मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व मु० सुहारु मज़कूरीया की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं, मुज़हर व मु० सुहारु ज़ौजा मुज़हर ख़िदमात लच्छूराम व छोटाराम मज़कूरान से बहुत खुश हैं मुज़हर व मु० सुहारु ज़ौजा मुज़हर को आयन्दा भी पिसरान मज़कूरान खुद से ऐसी ही ख़िदमात करते रहने की तवक़्क़ा है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के लच्छूराम, छोटाराम मज़कूरान को कुछ सिल्ला ख़िदमात खुद व ज़ौजा मज़कूरीया खुद दे, मु० सुहारु मज़कूरीया भी यही चाहती है, मुज़हर कुछ जायेदाद जदी व पैदा करदा खुद मनकूला व ग़ैर मनकूला वाक्या लिंयूगड़ी ब्राहमणां परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का मालक व काबज़ है सो मुज़हर अब जायेदाद मज़कूरा खुद लच्छूराम व छोटाराम

तिरखू, अंगूठा मुज़हर

तिरखू, अंगूठा मुज़हर

9/8/90

दस्तावेज मालियती —— रु. 5 —— रुपये
किस्त —— चार —— बराबर है।
बब —— 688 —— है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

श्रीका [illegible] नाम हुआ तिरखू S/o [illegible]
[illegible] ग्राम [illegible] तहसील [illegible]
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 9-8-90
मुताबिक 18 श्रावण 1912 बरोज वीरवार
समय 5.00 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

L.T.I.
तिरखू

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

o 791536 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

मज़कूरान को ही देने का ख्वाहां है जो मुज़हर की
जायेदाद मज़कूरा मामूली

वसीयत नामा जुज़ 3

मालीयत की है लेकिन मतलब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायेदाद मुज़हर की निस्बत कोई शख्स तनाज़ा किसी किस्म का इस लिये अब मुज़हर बकायमी होश व हवास खमसा खुद बिला जबर व इकराह व तरगीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर वाक्या लियूगड़ी ब्राह्मणां परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या हो के लच्छूराम, छोटाराम पिसरान तिरखू वल्द जीऊराम सकना लियूगड़ी ब्राह्मणां परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसरान मुज़हर मौसी बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों जो, किसी भी दीगर शख्स का कोई तअल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा, और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़हर मौसी से महरूम तसव्वर हो गा, लच्छूराम व छोटाराम मौसी इलहम मज़कूरान ही

तिरखू मौसी मुज़हर

वसीयत नामा जुज़ 4

बहिस्सा मुसावी कामल मालकान व काबज़ान जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी के हों जो, किसी भी दीगर शख्स को मुज़हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख करवाने का कोई हक़ हासल ना हो गा, मुज़हर मौसी ने पहले कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तहरीर ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पहले की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा

9/8/90

वसीका वसीयतनामा हुआ श्री तिरखू

हरूफ व हरूफ [illegible] सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका [illegible] व तरमीम को सुन व समझकर सही [illegible] किया। इनकी शनाख्त श्री नीम चन्द पपड़ाती [illegible] है। जिनसे मैं स्वयं तहसील कार्यालय स्वयं परिचित हूं। [illegible] हुआ तस्दीक किया जाता है दर्ज [illegible] होवे।

पेश कर्ता शनाख्त कर्ता

Neem Chand.
Reen.
Tehsil Sadar

L.T.I.
तिरखू

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
9/8/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
9/8/90

791537 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

मिन्जानिब मुज़हर मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद्द तसव्वर होगी और वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सनद रहे। तहरीर 1/8/90

गवाह शुद
तोताराम वल्द जीऊराम वल्द आलम सकना सायर परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
तोताराम

अलबद.
तिरखू मौसी मज़कूर

गवाह शुद
रामलाल वल्द बसन्ता वल्द कदारू सकना चिलगा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
रामलाल

हस्ब मुराद साइल लिखा गया सुन समझ कर दस्तखत तसलीम किया लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर (869 1/8/90) मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 688 अल्फ़ाज़ पर मुश्तमल है।

तस्दीक
नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है।
नकल कुनिन्दा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 869 1/8/90